हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार, 18 मई 2025

10 आशा वर्कर्स ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

11 10वीं परीक्षा परिणाम में प्रदेश में तीसरे नंबर पर महेंद्रगढ़ जिला

लक्ष्य एवं उपलब्धि के बीच का सेतू

TAGORE PUBLIC SCHOOL

MAHENDERGARH – REWARI – GURUGRAM

27 YEARS EXCELLENCE IN EDUCATION

HIGH PERFORMING SCHOOL BY AKS - 2018

TEACHING EXCELLENCE AWARD BY International School Awards

a synonym to discipline

Ranked 5th in GURUGRAM TOP SCHOOL Times School Survey 2022

XII CBSE BOARD RESULT

Mansavi D/o Praveen Sharma

Riya D/o Bhoop Singh

Simran D/o Jitender

Jiya D/o Ran Singh

Yashika D/o Naveen

Deepika D/o Ishwar Kr.

Vashika D/o Rajkumar

Prachi D/o Pankaj Sharma

Priyanka D/o Sunil Kr.

Surya D/o Ranjeet Kr.

Bhawana D/o Rajender Kr.

Payal D/o Rajender Kr.

Diya D/o Naresh Kr.

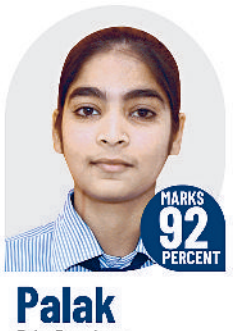

Palak D/o Pradeep

Khushi D/o Akshay Kr.

Khushi D/o Jagroop Kr.

Muskan D/o Rajkumar

Ravina D/o Praveen Kr.

Annu D/o Anil Kr.

Varsha D/o Sandeep Kr.

Neha D/o Pawan Kr.

Chanchal D/o Dharmender Kr.

Himanshi D/o Anil Kr.

X CBSE BOARD RESULT

NIKITA D/o Kshetrapal

NITIN S/o Pawan

KARTIK S/o Dinesh

SHRESTA D/o Narender

RIDIMA D/o Rajbir

RUCHI D/o Yudhvir

MANNAT D/o Yoginder

ISHA D/o Amit

ANSHU D/o Gulshan Kr.

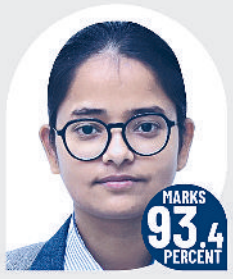

DIYA D/o Mahender Kr.

ISHIKA D/o Ajay Kumar

JIYA D/o Sunil Kr.

NIHARIKA D/o Surender Kr.

CHARU D/o Manoj Kumar

NEHA D/o Pradeep Kr.

SUDHIR S/o Suresh Kumar

TANISHA D/o Kirtipal Kr.

DEEPIKA D/o Kuldeep Kr.

HITESH S/o Kuldeep kr.

RACHI D/o Ranjeet Kr.

LAXIT S/o Shripal Kr.

HARSHITA D/o Avin Kumar

VAIBHAV S/o Ramotar

MUSKAN D/o Devender Kr.

TANUSHA D/o Gajraj Kr.

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26

NURSERY TO XII (ALL STREAMS)

IIT MAINS 143 | IIT ADVANCE 36 | NEET 47 | NDA 49 | NIT 29 | CUET 117 | CLAT 22 | IISER 46

SPECIAL COACHING FOR SAINIK SCHOOL MILITARY SCHOOL IISER | CLAT IIT | NEET

AC HOSTEL FACILITY FOR BOYS

Mahendergarh Campus 9813922732, 9053905341 www.tagoremgarh.edu.in

Rewari Campus 8607974777, 8685851444 www.tagorerewari.edu.in

Gurugram 9053905344/43 www.tagoregurugram.edu.in

खबर संक्षेप

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

बेटे के जन्मदिन पर लगाई गोवंश के लिए सवामणि

नारनौल। भारत विकास परिषद शाखा सदस्य देवेन्द्र वर्मा ने अपने बेटे का जन्म दिन गोपाल गोशाला में हरी सब्जियों की सवामणी लगाकर मनाया। देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि हमेशा से ही जानवरों के प्रति स्नेह रखते हैं और इन बेजुबान प्राणियों की सेवा करना खुशी देता है। पत्नी मंजू वर्मा ने कहा आज के दिन अपने बेटे को यह सिखाने की कोशिश की है कि दूसरों के प्रति प्रेम का भाव रखना कितना महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा ने वर्मा परिवार के जानवरों के प्रति संवेदनशील पहल की सराहना की। पूर्व अध्यक्ष राजकुमार यादव व सरोज कश्यप ने वर्मा दम्पति को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पवन यादव, नवीन गुप्ता, सुरेन्द्र सैनी, डॉ. शिवकुमार यादव, सुनील चुघ, मनोज सोलंकी, प्रदीप यादव, पवन अरोड़ा, शिल्पा वर्मा, तानिया व स्वास्तिक वर्मा आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। गोशाला में रुपये दान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गोशाला में 51 हजार रुपये किए दान

महेंद्रगढ़। गांव मालड़ा बांस निवासी चंद्रभान ने अपने पोते अंकित पुत्र प्रदीप की शादी के उपलक्ष्य में श्री गौशाला में 51 हजार रुपये दान किए हैं। गोशाला प्रधान ने बताया कि यह परिवार सदैव समय-समय पर गोशाला में दान-पुण्य करता रहता है। उन्होंने बताया कि गाय की सेवा से मंगलकामनाएं पूर्ण होती है। अनिष्ट टल जाते हैं। गोमाता की तृप्ति से समस्त देवी-देवताओं व पितृजनों की तृप्ति होती है। गाय अपने सेवक को कभी नहीं भूलती हैं। गोमाता को परलोक की कल्याणकारी कहा गया है। प्रधान एवं समस्त कार्यकारिणी ने उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पत्रकार संघ प्रधान प्रदीप बालरोडिया, करतार, संजय बोहरा प्रधान, महासचिव डॉ. तरुण यादव, सतपाल, सोहन लाल, इंद्रजीत, अतुल आदि उपस्थित रहे।

आयुर्वेदिक चिकित्सक सेवा निष्ठा से कर रहे हैं काम

महेंद्रगढ़। स्वास्थ्य विभाग के हालिया निर्देशों पर नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन महेंद्रगढ़ ने कड़ा विरोध जताया है। संगठन ने कहा कि किसी एक घटना के आधार पर पूरे चिकित्सा समुदाय या किसी एक पद्धति को दोषी ठहराना गलत है। नीमा महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष डॉ. तरुण यादव ने कहा कि अगर कोई चिकित्सक एलोपैथी, आयुर्वेद, योग, सिद्धा या होम्योपैथी से जुड़ा है और वह अवैध गतिविधियों में शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। डॉ. तरुण ने कहा कि देशभर में हजारों आयुर्वेदिक चिकित्सक सेवा, निष्ठा और ईमानदारी से काम कर रहे हैं। कुछ अपवादों के आधार पर पूरे समुदाय पर शक करना उनके मनोबल को तोड़ने जैसा है।

यादव धर्मशाला में आशा वर्कर यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी की बैठक

आशा वर्कर्स ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कर्मचारियों की समस्या का समाधान करवाएं, नहीं तो सभी यूनियन मिलकर आंदोलन करने को मजबूर होगी।

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पार्ट टाइम कर्मचारी यूनियन के ब्लॉक प्रधान मोतीलाल शर्मा, करतार, सुनील, बलजीत, शीला, माया, आशा कार्यकर्ता यूनियन से सत्यवती, अनिता, मुनेश, सुनीता, सुमन तथा मिड-डे मील यूनियन से संतोष, कौशल्या, माया, राजबाला, कविता, कृष्णा, कांता, रेखा आदि उपस्थित रहे।

आशा वर्कर्स, मिड-डे मील कार्यकर्ता और पार्ट टाइम कर्मचारियों ने अपनी समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री के नाम विधायक कंवर सिंह यादव को एक ज्ञापन सौंपा। यादव धर्मशाला में आशा कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी, मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा व पार्ट टाइम कर्मचारी यूनियन हरियाणा की एक बैठक हुई।

बैठक के पश्चात एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, आशा कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा की राज्य महासचिव मधु देवी, मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा की जिला प्रधान सुनीता जांगड़ा व पार्ट टाइम कर्मचारी यूनियन हरियाणा के जिला प्रधान मुकेश कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम का मांग पत्र विधायक कंवर सिंह यादव को सौंपा।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्या का समाधान करवाएं, नहीं तो सभी यूनियन मिलकर आंदोलन करने को मजबूर होगी। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में स्कीम वर्कर्स, जिसमें आशा, आंगनबाड़ी व मिड डे मील कुक कम हेल्पर्स को सरकार अपना कर्मचारी मानें तथा न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू करें, तब तक उनको श्रमिक का दर्जा दिया जाए, पार्ट टाइम कर्मचारियों की सराहनीय व संतोष जनक लंबी सेवाओं को देखते हुए नियमित कर्मचारी घोषित करने, मिड-डे मील कुक कम हेल्पर्स व पार्ट टाइम कर्मचारियों को 10 महीनों के स्थान पर 12 महीने का वेतन देने की मांग की गई। बैठक में आशा कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा की नई ब्लाक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें मोनू को प्रधान, ज्योति सचिव व मुन्नी देवी को उप प्रधान बनाया गया।

नम्बरदार एसोसिएशन आज सीएम को सौंपेगी ज्ञापन

कनीना। प्रदेश सरकार पिछले समय से नम्बरदारों के हितों की अनदेखी कर रही है। जिससे उनमें रोष पनप रहा है। नम्बरदार एसोसिएशन कनीना के प्रधान ने जगदेव सिंह कहा कि रविवार को महेंद्रगढ़ धन्यवाद रैली में आ रहे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को नम्बरदार एसोसिएशन की ओर मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। नम्बरदार सरकार की तीसरी आंख होती है। गांवों में होने वाले रेवेन्यू व अन्य घटनाक्रम की जानकारी सरकार तक पहुंचाते हैं। सरकार की ओर से जो सुविधाएं नम्बरदारों को दी जानी चाहिए थी, उन्हें आज तक उपलब्ध नहीं करवाई गई हैं। इस मौके पर नम्बरदार सुनील कुमार, महावीर सिंह, राजेंद्र सिंह, पृथ्वीचंद शर्मा, ताराचंद, रामसिंह, मुकेश कुमार, चांदराम, गुलाब सिंह मौजूद थे।

व्यापारियों ने सौंपा मार्केट कमेटी सचिव को ज्ञापन

नारनौल। दी खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन नई मंडी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान रामजीलाल मित्तल की अध्यक्षता में मार्केट कमेटी सचिव नुकुल यादव को ज्ञापन सौंपा। जिसमें नांगल चौधरी रोड स्थित अनाज मंडी में सुरक्षा की दृष्टि से एक पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की व व्यापारियों के वित्तीय लेनदेन हेतु एक राष्ट्रीय कृत बैंक की शाखा खोलने की मांग की। प्रधान रामजीलाल मित्तल व प्रवक्ता बद्रीप्रसाद गर्ग ने बताया कि नई अनाज मंडी शहर से काफी दूर हैं। व्यापारियों को पैसे निकालनेके लिए शहर में जाना पड़ता है। जहां रास्ते में व्यापारी असुरक्षा की भावना महसूस करता है। मंडी परिसर में बैंक की शाखा खोलने से व्यापारियों को काफी राहत मिलेगी। सचिव नुकुल यादव ने आश्वासन दिया कि शीघ्र बैंकों से संपर्क कर शाखा खुलवाने का प्रयास किया जाएगा व पुलिस अधीक्षक से पुलिस चौकी खुलवाने के लिए निवेदन किया जाएगा।

नारनौल। मार्केट कमेटी सचिव नुकुल यादव को ज्ञापन सौंपते व्यापारी। फोटो : हरिभूमि

बीएनडी स्कूल खातोदड़ा के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम में रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीएनडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोदड़ा के विद्यार्थियों ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शत-प्रतिशत सफलता अर्जित की हैं। विद्यालय के कुल 107 विद्यार्थियों में से 74 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट सूची में तथा 93 विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया हैं।

कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में सारिका पुत्री धर्मेंद्र गांव देवनगर एवं अंतिम पुत्री मनोज गांव राजावास ने 492 अंक लेकर टॉप किया। इसके अतिरिक्त तमन्ना पुत्री संजय गांव खातोदड़ा ने 489 अंक लेकर द्वितीय तथा खुशी पुत्री बिंटू गांव निम्बहेड़ा ने 488 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के आठ विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक, 29 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक, 53 विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक तथा 74 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। चेयरमैन विजयपाल यादव ने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

राव नेतराम स्कूल में छात्रों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर में विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय चेयरमैन सुभाष चन्द्र ने विद्या की देवी सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्याक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ. देवेन्द्र कुमार व प्राचार्य डॉ. प्रवीन कुमार राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली ने की।

सभी को बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि कक्षा 12वीं में अंकिता पुत्री कुष्ण गढ़ीरूथल ने 97 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 45 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान पाया। वहीं कक्षा 10वीं में लक्ष्य पुत्र जितेन्द्र अटेली ने 93 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थाव प्राप्त किया व 24 मेरिट के साथ विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। एससीईईटी की परीक्षा में भी विद्यालय की छात्रा प्रिया पुत्री सुनिल ढाणी भोड़ी ने क्वालीफाई किया।

नारनौल। राव नेतराम स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

इन सभी को समारोह में स्मृति चिह्न व उपहार देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाने के लिए और अथक प्रयासरत रहेंगे। विद्यालय सचिव कुबेर सिंह ने अभिभावकगण का धन्यवाद किया। इस मौके पर प्रदीप, सतीश, मोनिका, सोनू, राजबाला, पूजा, सुमन, ज्योति, सुशीला, दीपक समता, संजीव, सुरेखा आदि मौजूद थे।

अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों की जान गई

नारनौल। क्षेत्र में अलग–अलग स्थानों पर दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों के बयान पर इत्तेफाकिया कार्रवाई कर शवों का पोस्टमार्टम करा उन्हें परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार गांव नांगल सिरोही निवासी करीब 31 वर्षीय संजय शर्मा दिल्ली में सरकारी टीचर लगा हुआ था। उसकी पिछले कुछ समय से तबीयत खराब थी। उन्हें उपचार के लिए नारनौल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वह बच नहीं सके। वह अपने पीछे करीब चार साल का लड़का छोड़ गए हैं। परिजनों ने गमगीन माहौल में गांव के शमशान घाट में उनका अंतिम संस्कार कर दिया।

दूसरी ओर नारनौल शहर के सिंघाना रोड पर बसे केशव नगर गली नंबर तीन में रह रहे करीब 40 वर्षीय हरीराम अहीरवार की मौत हो गई। वह दो दिन बुखार से बीमार थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन वह बच नहीं सके। वह अपने पीछे तीन लड़के छोड़ गए हैं। वह मूलरूप से मध्यप्रदेश के टिकमगढ़ जिला के गांव ढेरी के रहने वाले थे। परिजन उनका शव मध्यप्रदेश लेकर गए हैं।

इलेश सैनी ने हासिल किए 96.80 प्रतिशत अंक

नारनौल। शहर में मोहल्ला पुरानी सराय स्थित सिटी किड्स स्कूल के विद्यार्थी रहे इलेश सैनी पुत्र लोकेश गांधी ने 10वीं की परीक्षा में 96.80 प्रतिशत अंक हासिल किए है। स्कूल संचालिका संतोष यादव ने बताया कि जब इलेश सैनी उनके स्कूल में था, तभी से होशियार व मेहनती रहा है। बोर्ड की इस परीक्षा में बेहतर अंक लाने पर इलेश व उनके परिजनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में हुई आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास में एक विशेष आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा छठी से नौवीं तक के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना और उनमें कला के प्रति रुचि जागृत करना था। इस गतिविधि के दौरान बच्चों ने अपनी कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए रंग-बिरंगे चित्र बनाए, हस्तशिल्प और सुंदर सजावट के सामान तैयार किए। उनके द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट कार्यों ने न केवल विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों को बल्कि अभिभावकों को भी प्रभावित किया।

प्राचार्य रामवीर यादव व चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम का आयोजन अविका यादव ने किया। प्राचार्य यादव ने कहा कि आर्ट एंड क्राफ्ट न केवल बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाता हैं, बल्कि उन्हें अपनी कल्पनाओं को साकार करने का अवसर भी प्रदान करता है। चेयरमैन रूपराम यादव ने भी बच्चों की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसी गतिविधियों का आयोजन करने की बात कही। इस दौरान छात्रों को उनके कार्यों के लिए प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में बनाए चित्र दिखाते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़ से वाया बवानिया-भोजावास सड़क मार्ग की हालात खस्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ से वाया बवानिया-भोजावास सड़क मार्ग की हालात इन दिनों काफी खस्ता हो चुकी है। सड़क में गड्ढे होने के कारण आने-जाने वाले वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं वाहन चालक हादसे के शिकार भी हो रहें है। ग्रामीणों की आवाजाही इसी सड़क से होती है। इसका निर्माण करीब नौ वर्ष संबंधित विभाग द्वारा कराया गया था।

बता दें कि महेंद्रगढ़ से वाया बवानिया-भोजावास रोड का निर्माण करीब नौ साल पहले कराया गया था। अब यह मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। टूटी सड़क के चलते करीब 50 गांवों के लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। इस समय यह मार्ग पूरी तरह से जर्जर अवस्था में हैं। इस मार्ग पर लगातार भारी वाहन का आवगमन रहता है। जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महेंद्रगढ़। बवानिया-भोजवास मार्ग की जर्जर अवस्था में सड़क। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण निर्माण कराने की उठ रहे हैं मांग

ग्रामीण रामनिवास पाटोदा, देशराज, मुकेश, महीपाल, राजेश, अमित, मुकेश आदि ने बताया कि ग्रामीण कई बार डीसी को ज्ञापन देकर रोड फोरलेन बनाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन डीसी को दिए गए ज्ञापन में सड़क को फोरलेन तो दूर मरम्मत भी नहीं की जा रही है। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री भी कहते हैं कि जहां सड़कों की अच्छी सुविधाएं होती है वहां विकास की गंगा बहती है। अगर इस मार्ग को फोरलेन बनने से महेंद्रगढ़ शहर पूर्व दिशा से भी राजस्थान से सीधा लिंक हो जाएगा। इस मार्ग का 152 डी ग्रीन कॉरिडोर से एचएन-11 रेवाड़ी-नारनौल व कैन्टर डिपो राजस्थान राज्य के काठूवास तथा मनेठी में बनने वाले एम्स से सीधा जुड़ाव हो जाएगा और यह सबसे छोटा मार्ग होगा। दशकों से पिछड़ेपन का सेहरा लिए इस इलाके को भी विकास कार्यों में प्रगति मिलेगी। इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्र में उद्योग धंधे भी स्थापित होंगे और पिछड़ापन भी दूर होगा तथा क्षेत्र के बेरोजगारों को भी रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। क्षेत्र को पर्याप्त परिवहन सुविधा भी मिलेगी। वर्तमान स्थिति में मार्ग की दशा वर्तमान में यह सड़क 18 फुट का है जिसका निर्माण छह साल पहले हुआ था। इस समय यह मार्ग पूरी तरह से जर्जर अवस्था में हैं। इस मार्ग पर लगातार भारी वाहन का आवगमन बढ़ने तथा रोड की चौड़ाई कम होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस व्यस्त मार्ग की हालत देखने के बाद अधिकारी सुध नहीं ले रहे हैं। ग्रामीण सहित शहर की भी आवाजाही इसी सड़क से होती है। इसका निर्माण सात वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग के द्वारा कराया गया था। लेकिन अब इस सड़क की दशा खस्ता है। उन्होंने प्रशासन से इस मार्ग की मरम्मत करने की मांग की है।

नारनौल। सरस्वती स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

सरस्वती स्कूल के परीक्षा परिणाम सराहनीय

नारनौल। शहर में पुल बाजार स्थित सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने फिर परचम लहराया है। विद्यालय की छात्रा अमृता ने सर्वाधिक 97.2 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस बार भी सराहनीय रहा। विद्यालय के चेयरमैन मुकेश शर्मा व प्राचार्या क्षमा पाण्डेय ने विद्यार्थियों की सफलता पर बधाई दी तथा भविष्य में और अधिक सफलता की कामना की। इस सफलता से विद्यालय के शिक्षकों व छात्रों में उत्साह का माहौल है। यह परीक्षा परिणाम विद्यालय की शिक्षा गुणवत्ता की पुष्टि करता है। सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की इस सफलता पर विद्यालय परिवार को बधाई।

नारनौल। आरोही मॉडल स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आरोही स्कूल मंढाणा का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

नारनौल। आरोही स्कूल मंढाणा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में आरोही विद्यालय मंढाणा के कुल 41 छात्र परीक्षा में प्रविष्ट हुए। जिनमें से सभी 41 छात्र अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। दिव्या पुत्री राजेंद्र सिंह निवासी नांगल चौधरी 491 अंक लेकर प्रथम स्थान पर रही, रुचिका पुत्री योगेंद्र गांव मंढाणा 481 अंकों के साथ दूसरे, दीप्ति पुत्री दिलीप कुमार गांव दोखेरा 480 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 41 छात्रों में से 17 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए तथा 22 छात्रों ने 80 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय प्राचार्य लीलूराम यादव ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी आरोही विद्यालय का परिणाम शानदार रहा है। प्राचार्य ने बताया कि शानदार व बेहतर परिणाम के लिए सभी अध्यापकों की मेहनत व छात्रों का निरंतर अभ्यास तथा कड़ी लग्न की बहुत बड़ी भूमिका रही है। प्राचार्य ने सभी अध्यापकों, विद्यार्थियों व अभिभावकों को बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए बधाई दी।

कनीना। परीक्षा परिणाम पर खुशी जताते एसडीएम स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम स्कूल छितरौली का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

कनीना। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से जारी किए गए 10वीं व 12वीं कक्षा के परिणाम में एसडीएम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। संस्था की प्रधानाचार्य रेखा दांगी ने बताया कि घोषित परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दसवीं कक्षा के अभिषेक ने 93.4 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम व रोहित ने 92 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, निशू यादव ने 91 फीसदी अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। 19 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान तथा आठ विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम भी शत प्रतिशत रहा। जिसमें 11 बच्चों ने मेरिट व 17 बच्चों ने प्रथम स्थान हासिल किया। मेडिकल संकाय में नैंसी ने 96 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान व सुदेश ने 91 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान हासिल किया। नॉन मेडिकल संकाय में मुस्कान ने 91 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम व सरिता ने द्वितीय, पवित्रा ने 90 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर सतपाल यादव, प्रवीन कुमार, संकित कुमार, रमेश कौशिक, सोनू राजपूत, मनीषा शर्मा, मंजू लाम्बा, प्रमिला, मंजू कुमारी, मनीषा, मंजू माहौर, नीरज आदि मौजूद थे।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद स्वास्थ्य कर्मी। फोटो : हरिभूमि

एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर नर्सिंग ट्यूटर सवदेश की अध्यक्षता में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस कार्यक्रम विषय पर जिला क्षय रोग केंद्र के नजदीक स्थित एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता व नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि उच्च रक्तचाप एक गम्भीर बीमारी है, जो अनुवांशिक भी हो सकती है। इसके होने के मुख्य कारण तनाव का बढ़ना, खान पान में बदलाव, दैनिक योग से दूर रहना, तले हुए भोजन का अधिक मात्रा में प्रयोग, नींद का पुरा ना होना है। उन्होंने इसके बचाव के लिए उपस्थित विद्यार्थियों को उपाय बताए तथा सभी को सलाह दी कि समय समय चिकित्सक से सम्पर्क करते रहना चाहिए, ताकि किसी भी गम्भीर रोग होने से पहले बचा जा सके।

महेंद्रगढ़। डेंगू के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य कर्मी अनूप रिवासा।

राजकीय स्कूल जाटवास में मनाया डेंगू दिवस

महेंद्रगढ़। गांव जाटवास के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रपाल व अध्यक्षता मुख्याध्यापक राजेश ने की। स्वास्थ्यकर्मी अनूप रिवासा ने कहा कि डेंगू एक जानलेवा बीमारी है, जो एडिज नामक मच्छर से फैलती है। एडिज मच्छर साफ पानी में पनपता है और आमतौर से दिन में काटता है। बीमारी के प्रारंभिक लक्षण में मरीज को तेज बुखार आना, सिर दर्द होना, मांसपेसियों और जोड़ों के दर्द होना व आंखों के पीछे दर्द होना आदि होते है। उन्होंने कहा की बीमारी की रोकथाम के लिए हमें मच्छर की वृद्धि की रोकना होगा। इसके लिए हमें सप्ताह में एक दिन रविवार को ड्राई-डे मनाना चाहिए, जिसके तहत पानी के कूलर, होद, स्कोरे आदि को साफ करके सुखाकर पानी भरना चाहिए ताकि मच्छर का लार्वा खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा की अपने घर के आसपास सफाई रखें ताकि मच्छर पैदा न हो सकें। रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें या मच्छर रोधी दवा या क्रीम का प्रयोग करें। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रपाल ने कहा की सरकार ने डेंगू जांच की सुविधा स्वास्थ्य केंद्र जाटवास में मुफ्त की हुई है।

कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

गबन के आरोप में कनीना पैक्स प्रबंधक रहे अशोक को किया गिरफ्तार

- 2018 में कार्यरत प्रबंधक अशोक कुमार के खिलाफ सहायक रजिस्ट्रार प्रवीन कुमार ने तीन माह पूर्व पुलिस को दी थी शिकायत
- जांच में 1677837 रुपये का गबन आया था सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना में वर्ष 2018 में पैक्स (प्राइमरी एग्रीकल्चर कोऑपरेटिव सोसायटी) के प्रबंधक पद पर रहे अशोक कुमार को लाखों रुपये के गबन के आरोप में पुलिस ने नारनौल से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित को कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि अशोक कुमार बीते सात वर्ष पूर्व कनीना से पदोन्नति मिलने के बाद बदली होकर दी महेंद्रगढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक में सीनियर अकाउंटेंट के पद पर चले गए थे। उनकी कार्यप्रणाली को लेकर पहले भी शिकायत आदि दर्ज कराई थी। गबन के आरोपों को लेकर महेंद्रगढ़ स्थित सहकारी समितियां के सहायक रजिस्ट्रार की ओर से बीती 28 मई, 22 अगस्त व 23 अक्टूबर 2024 को उप रजिस्ट्रार भिवानी व रजिस्ट्रार पंचकूला को भी पत्र लिख गया था। जिसमें अशोक कुमार के कनीना पैक्स प्रबंधक के पद पर रहते हुए 1677837 रुपये का गबन करना बताया गया था। जिसकी शिकायत भेजकर केस दर्ज करने की मांग की गई थी। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत की थी। जिसकी जांच आर्थिक अपराध शाखा नारनौल की ओर से की गई थी।

हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम 1984 की धारा 101.1 के अंतर्गत सरचार्ज की कार्रवाई से पूर्व विभागीय जांच में भी अशोक कुमार को दोषी पाए जाने पर सरचार्ज के आदेश पारित हुए थे। विभाग के उच्च अधिकारियों की ओर से इस मामले में स्टेट्स रिपोर्ट मांगी जाती रही है।

गबन की राशि की रिकवरी के लिए अधिकारियों की ओर से भू राजस्व विभाग से संपत्ति अटैच करने के लिए लिखा जा चुका है, साथ ही सेवानिवृत्ति पर मिलने वाले धन पर रोक लगाने के लिए भी बैंक में पत्र भेजा गया था। प्रवीन कुमार की ओर से दिए गए आरोप पत्र के बाद गबन के आरोपों की जांच उप निरीक्षक रमेश कुमार ने की। जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड प्राप्त कर वादी व प्रतिवादी पक्ष के बयान कलमबद्ध किए।

क्या कहते है सहायक रजिस्ट्रार

इस बारे में सहकारी समिति महेंद्रगढ़ के सहायक रजिस्ट्रार प्रवीन कुमार ने बताया कि सीनियर अकाउंटेंट अशोक कुमार की ओर से गबन किए गए 1677837 रुपये की रिकवरी को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। बैंक में पत्र भेजकर उनके लाभ रोकने को कहा गया है। वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग से अशोक कुमार के नाम संपत्ति की स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है।

क्या कहते है अनुसंधान अधिकारी

आर्थिक अपराध शाखा नारनौल के अनुसंधान अधिकारी युद्धवीर सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देश पर अशोक कुमार के खिलाफ पैक्स की राशि में गबन करने के आरोप में केस दर्ज किया गया था। जिसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया। जहां न्यायाधीश ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

खबर संक्षेप

कल होगा फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी का गठन

मंडी अटेली। नगरपालिका अटेली मंडी में फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए वार्ड नंबर एक से 12 तक के बीच से दो सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। चुनाव को लेकर आम बैठक कल 19 मई 2025 को सुबह 11 बजे नगरपालिका कार्यालय में होगी। सभी पार्षदों को तय तिथि और समय पर बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के निर्देशों के अनुसार ही समिति का गठन किया जा रहा है।

शनिदेव जन्मोत्सव पर जागरण 26 को

मंडी अटेली। राष्ट्रीय राजमार्ग 11 स्थित फतेहपुर धाम में 16वां श्री शनिदेव महाराज जन्मोत्सव मनाया जाएगा। 26 मई की रात्रि विशाल जागरण होगा। इसमें सुंदर झांकियां निकाली जाएंगी। 27 मई को देशी घी से भंडारा होगा। जागरण में देश के प्रसिद्ध गायक कलाकार प्रस्तुति देंगे। दिनेश रोहिल्ला रोहतक से, रोहन सैनी नारनौल, चिराग जांगड़ा रोहतक से, जीतू पागल रेवाड़ी से और विकास जांगड़ा नारनौल से आ रहे हैं। ये सभी शनिदेव महाराज की महिमा का गुणगान करेंगे।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपित पकड़ा

महेंद्रगढ़। सीआईए पुलिस टीम ने थाना शहर क्षेत्र से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपित त्रियंक वासी मौहल्ला शंकर कुई को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है, आरोपित से पुलिस ने एक अवैध देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपित के खिलाफ थाना शहर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। सीआईए टीम गश्त के दौरान मसानी चौक मौजूद थी, टीम को गुप्त सूचना मिली कि त्रियंक वासी मोहल्ला शंकर कुई शहर महेंद्रगढ अवैध हथियार रखता है। अगर तुरंत रेड की जाए तो अवैध हथियार सहित काबू आ सकता है। सूचना पर टीम द्वारा बताए हुए स्थान पर पहुंचकर रैड की तो गोवंश उपचार गोशाला देवास रोड के पास एक लड़का पुलिस की गाड़ी को देखकर तेज कदमो से दौडने लगा, जिसको काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम पता त्रियंक वासी मौहल्ला शंकर कुई बताया। जिसकी तलाशी ली एक जिंदा कारतूस व एक देशी कट्टा मिला। पुलिस ने अवैध हथियार को जब्त कर लिया।

सेकेंडरी नियमित एवं मुक्त विद्यालय वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित

10वीं परीक्षा परिणाम में प्रदेश में तीसरे नंबर पर महेंद्रगढ़ जिला

- बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के तहत कक्षा दसवीं (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) का वार्षिक परीक्षा-2025 का परिणाम शनिवार घोषित कर दिया गया। इस परिणाम में महेंद्रगढ़ जिला प्रदेशभर में तीसरे नंबर पर है। वहीं रेवाड़ी प्रथम व दादरी जिला द्वितीय रहा है। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर देख सकते हैं।

यह बोर्ड परीक्षा 28 फरवरी से 19 मार्च तक हुई थी। इसके बाद शनिवार परिणाम घोषित हुआ। परिणाम के मुताबिक जिला से 7727 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इनमें 7400 पास हुए और 237 विद्यार्थियों की कम्पार्टमेंट आई है। वहीं 89 फेल हुए है। इस तरह जिला का परीक्षा परिणाम 95.78 प्रतिशत रहा। वहीं रेवाड़ी जिला का 96.85 प्रतिशत व दादरी जिला 96.08 प्रतिशत रहा है। वहीं ओपन परीक्षा की बात करें तो 43 विद्यार्थियों में से 16 पास हुए और 37 बच्चे फेल हुए है। इस तरह यह परीक्षा परिणाम 37.21 फीसदी रहा।

नारनौल। परीक्षा परिणाम के बाद खुशी मनाते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

बोर्ड अध्यक्ष प्रो. डॉ. पवन कुमार के मुताबिक यह परिणाम आज सायं से संबंधित विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपनी यूजर आईडी व पासवर्ड द्वारा लॉगिन करते हुए डाऊनलोड भी किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त प्रदेशभर में संचालित करवाई गई सैकेण्डरी मुक्त विद्यालय वार्षिक परीक्षा-2025 (फ्रैश, रि-अपीयर, अंक सुधार, अतिरिक्त विषय एवं मर्सी चांस) विषय परीक्षा का परिणाम भी आज घोषित किया जा रहा है। परीक्षार्थी अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। परीक्षार्थी अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in से अनुक्रमांक/पंजीकरण नम्बर अथवा नाम, पिता का नाम, माता का नाम व जन्म तिथि भरते हुए देख सकते हैं। किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी/त्रुटि के लिए बोर्ड कार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा। उन्होंने बताया कि इन परीक्षा परिणामों के आधार पर जो परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं की पुनः जांच अथवा पुनर्मूल्यांकन करवाना चाहते हैं तो वे निर्धारित शुल्क सहित परिणाम घोषित होने की तिथि से 20 दिन तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बीपीएस में फन डे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर के कुलताजपुर रोड स्थित बीपीएस स्कूल के जूनियर विंग में फन डे का आयोजन किया गया। आज बच्चों का पूर्ण बैगलैस डे था। विंग कॉरडिनेटर रेणू जैन ने बताया कि सभी बच्चें लंच बॉक्स व एक जोड़ी अंडर गारमेंटस, गोगलस, कैप व टॉवल लेकर स्कूल आए। सभी बच्चें मोजमस्ती के मूड में नजर आ रहे थे। बच्चों के लिए एक छोटे-से स्वीमिंग पुल की व्यवस्था की गई। छोट-छोटे बच्चों ने समूह बनाकर पानी में खूब मौज मस्ती की।

कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों ने एक साथ बैठकर जूस पार्टी की और फन डे के बारे में अनुभव साझा किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनानें में अमिता शर्मा, अनिता यादव, सानिया यादव, कोमल यादव, रेखा शर्मा, रेखा सैनी, दिव्या शर्मा, अनिता चौधरी, सपना यादव, अमनदीप गिल व गुरप्रीत कौर का विशेष योगदान रहा। संस्था वाइस चेयरमैन कमल संघी, सहसचिव डॉ. कर्ण चौधरी व प्रिंसिपल उदयभान राव ने बच्चों के साथ पार्टी के अनुभवों को साझा किया व उन्हें गर्मी से बचाव के तौर तरीके बताए।

नारनौल। स्कूल में मस्ती करते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। पानी में नहाते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

बच्चों ने स्विमिंग पूल के ठंडे पानी में की मौज मस्ती

महेंद्रगढ़। भीषण गर्मी को देखते हुए बचपन प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा विद्यालय परिसर में बने स्विमिंग पूल के ठंडे पानी में मौज मस्ती की गई। कार्यक्रम के दौरान नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी-अपनी कक्षा अध्यापिकाओं की देखरेख में स्विमिंग पूल के ठंडे पानी में डांस करने, स्नान करने और तैराकी के गुणों के बारे में जानकारी प्राप्त की। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि गर्मी के मौसम में स्विमिंग पूल में नहाना बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है, जिससे लू और गर्मी से होने वाले नुकसान से बचाव होता है। इस अवसर पर विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, प्राचार्य ज्योति शर्मा, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, पूनम गोस्वामी उपस्थित रही।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में गणित क्विज कंपीटिशन

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में कक्षा छठह से 10वीं तक के छात्रों के लिए गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति रूचि बढ़ाना और उनकी तार्किक सोच को विकसित करना था। प्रतियोगिता को विंग वाइज आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नों की रूपरेखा को इस प्रकार तैयार किया गया था कि छात्रों की बुनियादी समझ, मानसिक गणना तथा समस्या समाधान कौशल को परख सके। सभी प्रतिभागियों ने सभी राउंडस में अपनी प्रतिभा दिखाई। यह प्रतियोगिता न केवल छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक रही, बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सफल रही। विजेता टीम में कक्षा छठी से आठवीं तक राधाकृष्णन हाउस ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, लव-कुश हाउस ने द्वितीय व अभिमन्यु हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा नौवीं व 10वीं में टीम-2 ने प्रथम स्थान, टीम-6 ने द्वितीय स्थान व टीम-5 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता टीमों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि गणित केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि यह गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता न केवल आप के ज्ञान की परीक्षा है, बल्कि आपकी तर्कशक्ति और तेजी का भी आकलन करेगी।

एचपीएस स्कूल स्पर्धा में वायु सदन रहा विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में शनिवार को कक्षा एलकेजी के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा एलकेजी लोटस व डेजी के सभी विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर प्रश्नों के उत्तर दिए।

प्रतियोगिता विद्यालय के अग्नि, जल, वायु व पृथ्वी चारों सदनों के बीच रखी गई। प्राइमरी हैड सोनल चौबे ने सुंदर मंच संचालन करते हुए बच्चों से सामान्य ज्ञाने जुड़े रोचक सवाल किए। जिनके उत्सुकता पूर्वक जवाब देते हुए बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी विद्यार्थियों की प्रतिभा को देखते हुए विद्यालय एमडी निधि वर्मा ने वायु सदन को विजेता घोषित किया।

वायु सदन में चित्रांशी, रिदम, निशांत व नायांश विजयी रहे। निधि वर्मा ने कहा कि बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान से जुड़ी इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आवश्यक हैं। इनमें हिस्सा लेने से बच्चों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि होती है और एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होती है।

विद्यालय डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

कनीना। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आरआरसीएम स्कूल में मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

कनीना। आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान सीबीएसई परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। यह समारोह विद्यार्थियों को उनकी कड़ी मेहनत और लगन के लिए प्रोत्साहित करने और अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ चेयरमैन राव रोशनलाल और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। चेयरमैन राव रोशनलाल ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत करते रहने तथा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा ने अपने संबोधन में मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामना दी।

राजवंशी के रितेश ने बॉक्सिंग में जीता गोल्ड

नारनौल। राजवंशी स्कूल दौचाना के छात्र रितेश दिनोदिया पुत्र संदीप कुमार गांव गोरीर ने एक बार फिर गोवा में आयोजित साउथ एशियन चैंपियनशिप में इंटरनेशनल आर्म बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल हासिल कर विद्यालय, अभिभावक व समस्त गांव का नाम रोशन किया है। इससे पहले भी रितेश ने अनेक पदक आर्म बॉक्सिंग में हासिल किए हैं। प्राचार्य दिनेश कुमार ने बताया कि रितेश न केवल खेल में बल्कि पढ़ाई में भी उतना ही प्रतिभावान है। प्राचार्य ने कहा कि रितेश अब आने वाली एशियन चैंपियनशिप में भाग लेगा। विद्यालय पहुंचने पर रितेश का स्वागत किया गया। चेयरपर्सन रेणु कंवर ने छात्र को सम्मानित किया व सभी बच्चों को खेल में रूचि के लिए प्रोत्साहित किया।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें हाल ही में सीबीएसई बोर्ड की ओर से जारी परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में सम्मानित होने वाली छात्रा पलक ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ब्लॉक में टॉप किया। रितु ने 96, शीतल ने 95.4, दीपेन्द्र 94.2, लक्की 93.6, निकिता कुमारी 93, आयुषी 92.6, मयंक यादव 90.6, तनीषा 90.4, खुशी व शालु ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। 10वीं कक्षा में सोनल ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। मयंक, प्रियंका व योगिता ने संयुक्त रूप से 95.4 अंक प्राप्त कर किए। हर्ष, मुकुल व योगिता लंबोरा ने 95, हर्ष 94.4, जतीन 92.8, हिमांशु 92.6, सनी 92.4, कार्निक यादव 90.8, वंदना यादव 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। छात्र आरीष व सोनल ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक व म्यूजिक विषय में 10 विद्यार्थियों ने 100 अंक प्राप्त कर क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन ने इन विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न व उपहार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने विद्यार्थियों, अभिभावकों व अध्यापकों को बधाई दी। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नारनौल। श्रीकृष्णा स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

तैयारी

सीएम के दौरे को लेकर पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के किए पुख्ता प्रबंध

मुख्यमंत्री आज महेंद्रगढ़ विधानसभा को 152 करोड़ 87 लाख 92 हजार रुपये की परियोजनाएं करेंगे सुपुर्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जनता को 152 करोड़ 87 लाख 92 हजार रुपये की परियोजनाएं सुपुर्द करेंगे। मुख्यमंत्री रैली स्थल से महेंद्रगढ़ विधानसभा की 81 करोड़ 49 लाख 30 हजार रुपये की राशि की लागत से तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 71 करोड़ 38 लाख 62 हजार की लागत से तैयार होने वाली परियोजनाओ का शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने वाले उद्घाटनों मे कोथल खुर्द गांव के पांच करोड़ 32 लाख की लागत से तैयार 33 केवी सबस्टेशन, दो करोड़ 45 लाख 82 हजार की लागत से तैयार बसई से खेड़ी तलवाना सड़क, एक करोड़ 48 लाख 8 हजार की लागत से तैयार मालड़ा सराय से पाथेड़ा सड़क, एक करोड़ 11 लाख 62 हजार की लागत से तैयार झगड़ोली से झूक सड़क, 13 करोड़ 5 लाख 84 हजार की लागत से तैयार दोहान नदी, दो करोड़ 60 लाख 37 हजार की लागत से तैयार सतनाली से बाढड़ा सड़क, 15 करोड़ 90 लाख 25 हजार की लागत से तैयार महेंद्रगढ-सतनाली-लोहारू सड़क, एक करोड़ 91 लाख 86 हजार की लागत से तैयार खुडाना से गढ़ी सड़क, चार करोड़ 65 लाख 51 हजार की लागत से तैयार नांवा से डालनवास सड़क, दो करोड़ 14 लाख 79 हजार की लागत से तैयार बलाना से सोहला सड़क, पांच करोड़ 20 लाख 59 हजार की लागत से महेंद्रगढ़ विधानसभा की पांच सड़कों की मरम्मत, नौ करोड़ 18 लाख 85 हजार की लागत से तैयार धोली, जाट व भुरजट गांव की पेयजल योजना, छह करोड़ की लागत से तैयार पालड़ी पनिहारा व भगडाना का जलघर, चार करोड़ 64 लाख की लागत से तैयार बेरी गांव का जलघर, चार करोड़ 50 लाख की लागत से रिवासा गांव में तैयार लुवास रिजनल सेंटर का भवन शामिल हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने वाले शिलान्यास में 80 लाख 58 हजार की लागत से बनने वाले महेंद्रगढ व खातोदड़ा के पशु अस्पताल, 69 लाख 7 हजार की लागत से नांवा में बनने वाला पीसीवी भवन, चार करोड़ 86 लाख 81 हजार की लागत से बुड़ीन गांव में तालाबों के लिए बिछाई जाने वाली पाईप लाईन, एक करोड़ 30 लाख 29 हजार की लागत से जोनावास गांव के तालाब के लिए पाईप लाईन, तीन करोड़ 45 लाख 4 हजार की लागत से बनने वाली डुलाना-बवानिया सड़क, 13 करोड़ 70 लाख 9 हजार की लागत से बनने वाली महेंद्रगढ़-अटेली सड़क, 12 करोड़ 77 लाख 69 हजार की लागत से बनने वाली खातोदडा से नांगल माला सड़क, तीन करोड़ 89 लाख 93 हजार की लागत से बनने वाली खातोद-बुडीन सड़क, दो करोड़ 40 लाख 75 हजार की लागत से बनने वाली नांगल सिरोही से कोथल खुर्द सड़क, दो करोड़ 93 लाख 42 हजार की लागत से बनने वाली पाली से जेरपुर सड़क, एक करोड़ 19 लाख 65 हजार की लागत से बनने वाली सतनाली लोहारु से बाबा रामफल दास मंदिर सड़क, एक करोड़ 7 लाख 23 हजार की लागत से बनने वाली गांव झूक से माजरा सड़क, तीन करोड़ 9 लाख 7 हजार की लागत से महेंद्रगढ़ विधानसभा की आठ अलग-अलग सड़कों की मरम्मत का कार्य, 19 करोड़ 18 लाख एक हजार की लागत से महेंद्रगढ़ कस्बे के जलघरों व बुस्टिंग स्टेशनों की मरम्मत के कार्य किए जाएंगे।

महेंद्रगढ़। रैली को लेकर सजाया गया पंडाल। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। चोरी उपरांत दुकान में बिखरा पड़ा सामान। फोटो: हरिभूमि

शोभापुर में दुकान से आभूषण ले उड़े चोर

नारनौल। गांव शोभापुर में बीती रात को चोरों ने आभूषण विक्रेता की दुकान के ताले तोड़कर वहां रखे सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। पड़ोसियों ने सुबह दुकान के ताले टूटे देख इसकी सूचना दुकान मालिक को दी। दुकान मालिक संजय सोनी वासी पुरानी सराय नारनौल ने बताया कि उसने सोने-चांदी के आभूषणों की एक दुकान गांव शोभापुर में कर रखी है। बीती शाम को वह दुकान बंद करके घर आया गया। शनिवार प्रातः पड़ोसियों ने फोन पर सूचना दी कि दुकान के ताले टूटे हुए हैं। संजय सोनी ने बताया कि उसका लगभग डेढ़ किलो चांदी का सामान एवं 20-25 ग्राम सोने का सामान चोरी हो गया है। सूचना उपरांत वह मौके पर पहुंचा तथा पुलिस को डॉयल 112 पर सूचित किया। जिस पर मौके पर पुलिस की गाड़ी पहुंची तथा उसने संबंधित एरिया पुलिस को सूचित किया। संबंधित एरिया पुलिस ने मौका मुआयना करने उपरांत शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी।

नांगल में चोरों ने चुराए सोने चांदी के आभूषण

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव नांगल में एक मकान से चोरों ने लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण चुरा लिए। जानकारी के अनुसार नांगल निवासी महिला रेशमी देवी ने बताया कि शुक्रवार रात्रि को वह अपने बड़े बेटे रोहताश के मकान में सो रही थी। उसका सारा सामान उसके छोटे बेटे रणवीर के मकान में रखा हुआ था। चोरों ने घर में घुसकर ताला तोड़कर करीब तीन तोले सोने के पेंडल, गले का हार व कुंडल आदि चुरा लिए। चोर वहां से 15 हजार रुपये भी नकद चुरा कर ले गए। घर का सारा सामान उसको बिखरा हुआ बिखरा हुआ था।

SHREE KRISHAN SR. SEC. SCHOOL

SHREE KRISHAN ESTD. 2001 SR. SEC. SCHOOL, BHUNGARKA

Affiliated to CBSE (Aff. No. : 531421)

शिक्षा संस्कार अनुशासन

BHUNGARKA, N. CHOUDHARY (NARNAUL) H.R.

शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम की ओर बढ़ते कदम.......

CLASS 10th MATHEMATICS 100 / 100 — SONAL D/O SH. KRISHAN KUMAR

2nd POSITION (ALL HARYANA) STATE LEVEL SCIENCE ESSAY WRITING COMPETITION. Organised by : Haryana State Council for Science Innovation & Technology — RITU D/O SH. JAGJEET

CLASS 10th MATHEMATICS 100 / 100 — AARISH S/O SH. YOGESH

CBSE बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं तथा 12वीं के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह् व उपहार देकर किया स्कूल प्रबंधन ने सम्मानित।

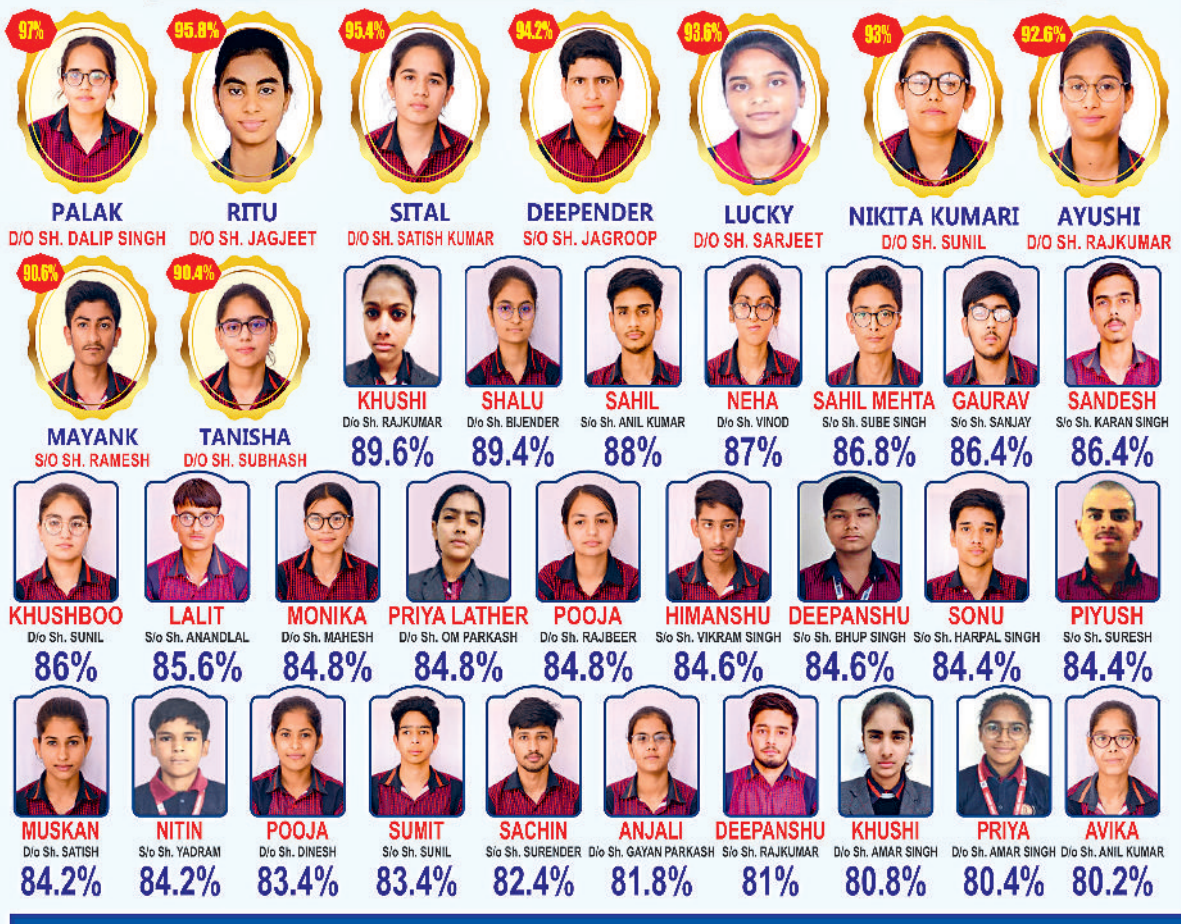

SSCE (XII) RESULT - 2025

Name	Parent	%
PALAK	D/O SH. DALIP SINGH	97%
RITU	D/O SH. JAGJEET	95.8%
SITAL	D/O SH. SATISH KUMAR	95.4%
DEEPENDER	S/O SH. JAGROOP	94.2%
LUCKY	D/O SH. SARJEET	93.6%
NIKITA KUMARI	D/O SH. SUNIL	93%
AYUSHI	D/O SH. RAJKUMAR	92.6%
MAYANK	S/O SH. RAMESH	90.6%
TANISHA	D/O SH. SUBHASH	90.4%
KHUSHI	D/o Sh. RAJKUMAR	89.6%
SHALU	D/o Sh. BIJENDER	89.4%
SAHIL	S/o Sh. ANIL KUMAR	88%
NEHA	D/o Sh. VINOD	87%
SAHIL MEHTA	S/o Sh. SUBE SINGH	86.8%
GAURAV	S/o Sh. SANJAY	86.4%
SANDESH	S/o Sh. KARAN SINGH	86.4%
KHUSHBOO	D/o Sh. SUNIL	86%
LALIT	S/o Sh. ANANDLAL	85.6%
MONIKA	D/o Sh. MAHESH	84.8%
PRIYA LATHER	D/o Sh. OM PARKASH	84.8%
POOJA	D/o Sh. RAJBEER	84.8%
HIMANSHU	S/o Sh. VIKRAM SINGH	84.6%
DEEPANSHU	S/o Sh. BHUP SINGH	84.6%
SONU	S/o Sh. HARPAL SINGH	84.4%
PIYUSH	S/o Sh. SURESH	84.4%
MUSKAN	D/o Sh. SATISH	84.2%
NITIN	S/o Sh. YADRAM	84.2%
POOJA	D/o Sh. DINESH	83.4%
SUMIT	S/o Sh. SUNIL	83.4%
SACHIN	S/o Sh. SURENDER	82.4%
ANJALI	D/o Sh. GAYAN PARKASH	81.8%
DEEPANSHU	S/o Sh. RAJKUMAR	81%
KHUSHI	D/o Sh. AMAR SINGH	80.8%
PRIYA	D/o Sh. AMAR SINGH	80.4%
AVIKA	D/o Sh. ANIL KUMAR	80.2%

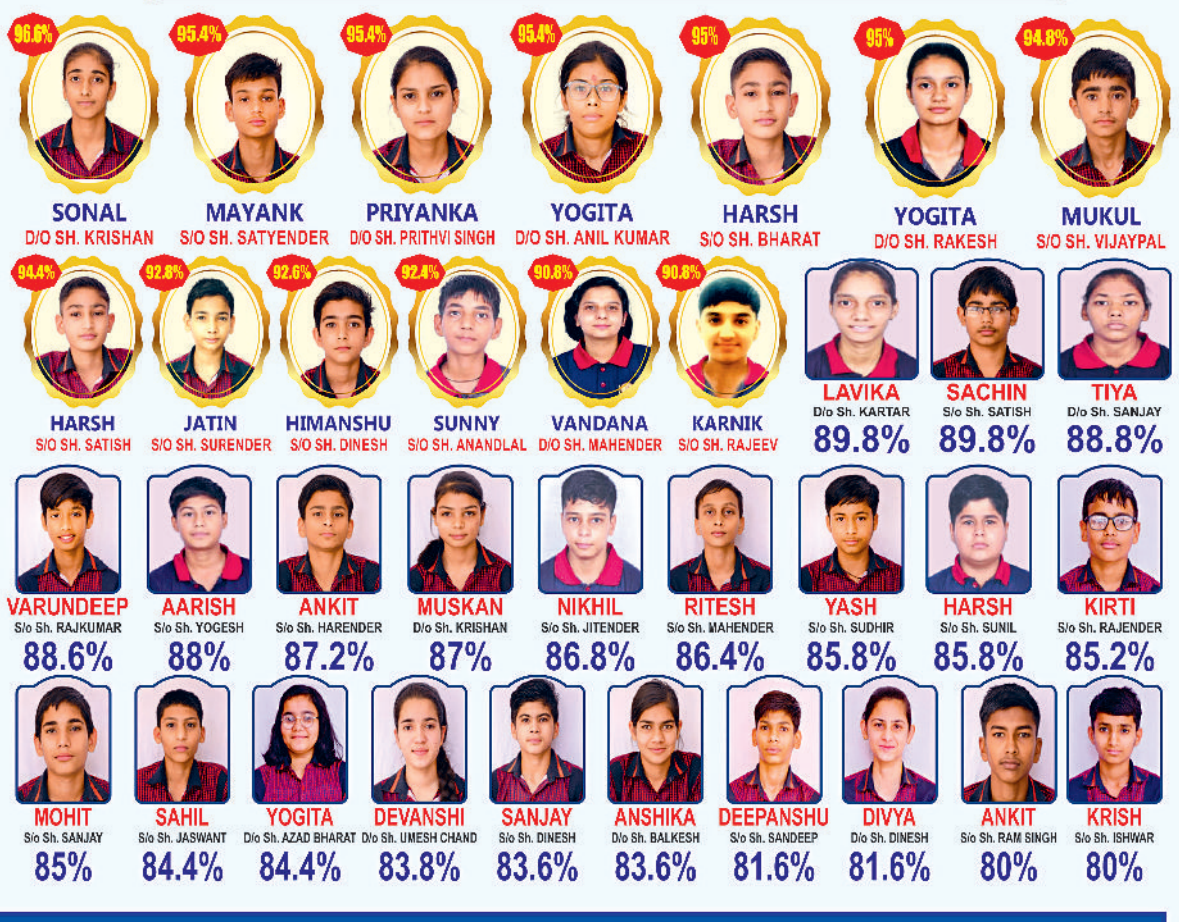

SSE (X) RESULT - 2025

Name	Parent	%
SONAL	D/O SH. KRISHAN	96.6%
MAYANK	S/O SH. SATYENDER	95.4%
PRIYANKA	D/O SH. PRITHVI SINGH	95.4%
YOGITA	D/O SH. ANIL KUMAR	95.4%
HARSH	S/O SH. BHARAT	95%
YOGITA	D/O SH. RAKESH	95%
MUKUL	S/O SH. VIJAYPAL	94.8%
HARSH	S/O SH. SATISH	94.4%
JATIN	S/O SH. SURENDER	92.8%
HIMANSHU	S/O SH. DINESH	92.6%
SUNNY	S/O SH. ANANDLAL	92.4%
VANDANA	D/O SH. MAHENDER	90.8%
KARNIK	S/O SH. RAJEEV	90.8%
LAVIKA	D/o Sh. KARTAR	89.8%
SACHIN	S/o Sh. SATISH	89.8%
TIYA	D/o Sh. SANJAY	88.8%
VARUNDEEP	S/o Sh. RAJKUMAR	88.6%
AARISH	S/o Sh. YOGESH	88%
ANKIT	S/o Sh. HARENDER	87.2%
MUSKAN	D/o Sh. KRISHAN	87%
NIKHIL	S/o Sh. JITENDER	86.8%
RITESH	S/o Sh. MAHENDER	86.4%
YASH	S/o Sh. SUDHIR	85.8%
HARSH	S/o Sh. SUNIL	85.8%
KIRTI	S/o Sh. RAJENDER	85.2%
MOHIT	S/o Sh. SANJAY	85%
SAHIL	S/o Sh. JASWANT	84.4%
YOGITA	D/o Sh. AZAD BHARAT	84.4%
DEVANSHI	D/o Sh. UMESH CHAND	83.8%
SANJAY	S/o Sh. DINESH	83.6%
ANSHIKA	D/o Sh. BALKESH	83.6%
DEEPANSHU	S/o Sh. SANDEEP	81.6%
DIVYA	D/o Sh. DINESH	81.6%
ANKIT	S/o Sh. RAM SINGH	80%
KRISH	S/o Sh. ISHWAR	80%

OUR SUPERB ACHIEVEMENTS

BOARD MERIT 477

CLAT 06 | NEET 85 | NDA 12 | VVM 52

NSTSE 27 | NTSE 05 | IIT-JEE 95 | AISSEE 83

ADMISSION Open 2025-26

Nur. to XII (All Stream)

9416602144 || 9416885781 || 9467139824 || 7404144465

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 मई 2025

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

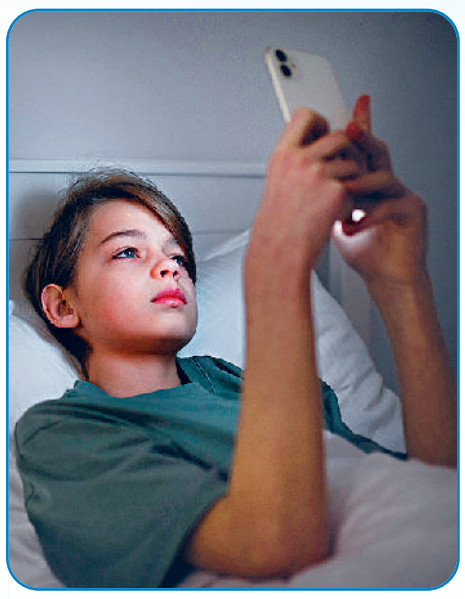

डिजिटल डिवाइसेस की लत
उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

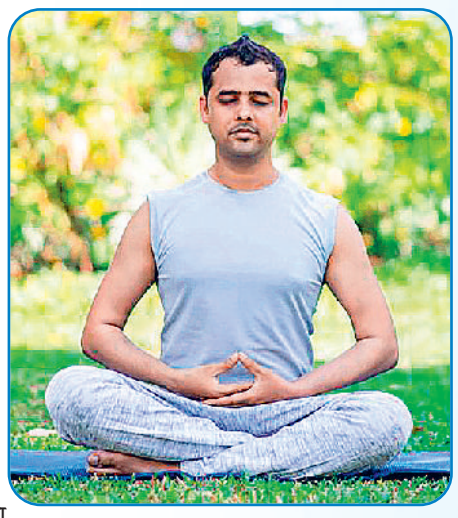

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही
प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपेन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

...जो होना था

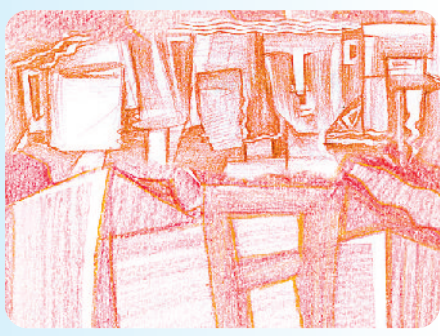

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा }

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेविल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

अगर आपको अकसर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट: एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू: 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

पूर्वाग्रहों से बचिए: कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

फालतू चीजों को हटाएं: लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर

ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अकसर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

तड़के वाली चाय, अमृतसर: पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख: गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

बिरयानी चाय, आगरा: आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

गुलाबी चाय, लखनऊ: इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

लेबू चाय, कोलकाता: इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

तंदूरी चाय, दिल्ली: पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

{ बड़ा पर्दा / अशोक जोशी }

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

नायक भी बने खलनायक

कई ऐसी साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

ये किरदार भी हैं यादगार

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

बॉबी देओल

मुकेश तिवारी

आशुतोष राणा

पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

ऐसी बात नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।